SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
TERM-1

CLASS -6 SUBJECT – HINDI

PREPARED BY –DEEPIKA MEHRA LESSON -3 नादान दोस्त

PREPARED DATE-

शब्दार्थ :

ध्यान से – एकाग्र होकर

सुध – होश ,याद

कार्निस – छज्जा , दीवार का निकला हुआ हिस्सा

फुरसत – खाली समय

तसल्ली – सांत्वना

गर्व –घमंड

पेचीदा – मुश्किल

जिज्ञासा – जानने की इच्छा

अधीर – बैचैन

अंदाजा –अनुमान

चारा – पशुओ का भोजन

प्रस्ताव –सुझाव

सुराख –छेद

उधेड़बुन –सोच –विचार

हिकमत –समझदार

चिथड़े –फटे हुए कपड़े

कहानी से –

प्रश्न१. अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे? वे आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?

उत्तर- बालमन जिज्ञासाओं से भरा होता है। उन्होंने पहले कभी अंडे नहीं देखे थे। उनके घरवालों ने भी उनको अंडों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। उनको पता नहीं था कि अंडों का आकार कितना बड़ा होता है ? अंडे किस रंग के होते हैं? उनमें बच्चे कैसे पैदा होते हैं? वे क्या खाते हैं? उनका घोसला कैसा होता है ? बच्चों के मन में इस तरह के सवाल स्वाभाविक ही थे।

प्रश्न२. केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दानापानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे-?

उत्तर- केशव और श्यामा ने अपनी ओर से तो उन अंडों की रक्षा करनी चाही, पर यह उनकी नादानी सिद्ध हुई। चिड़िया अपने अंडों की रक्षा स्वयं कर सकती थी। बच्चे ने अंडों की रक्षा करने के प्रयास

में उन्हें छूकर गंदा कर दिया। उन्हें नहीं मालूम था कि यदि वे अंडों को छू लेंगे तो चिड़िया उन्हें छोड़ ही देगी। वास्तव में वे तो उन अंडों की रक्षा करना चाहते थे लेकिन नादानी में रक्षा में हत्या हो गई।

प्रश्न ३. केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी?

उत्तर- केशव और श्यामा ने अपनी ओर से तो उन अंडों की रक्षा करनी चाही, पर यह उनकी नादानी सिद्ध हुई। चिड़िया अपने अंडों की रक्षा स्वयं कर सकती थी। बच्चे ने अंडों की रक्षा करने के प्रयास में उन्हें छूकर गंदा कर दिया। उन्हें नहीं मालूम था कि यदि वे अंडों को छू लेंगे तो चिड़िया उन्हें छोड़ ही देगी। वास्तव में वे तो उन अंडों की रक्षा करना चाहते थे लेकिन नादानी में रक्षा में हत्या हो गई।

कहानी से आगे-

प्रश्न -१. केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में क्याक्या अनुमान लगाए-? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या करते?

उत्तर- केशव और श्यामा ने अनुमान लगाया कि अब उन अंडों से बच्चे निकल आए होंगे। चिड़िया इतना कहाँ से लाएगी। गरीब बच्चे इस तरह चूंचू करके मर जाएँगे। उन्हें धूप से भी कष्ट होगा। यदि केशव - और श्यामा की जगह हम होते तो हम अनुमान लगाते कि कोई जानवर या अन्य जीवजंतु तो अंड-ोंं तक नहीं पहुँच पाएगा कार्निस तक कोई जानवर न पहुँचे, मैं इसका प्रयास करता। हम अंडों के साथ छेड़-छाड़ नहीं करते। चिड़ियों के लिए दाना हम कार्निस पर रखने की जगह नीचे जमीन पर बिखेर देते।

प्रश्न २. माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया?

उत्तर- क्योंकि वही समय ऐसा था जब वे बाहर आकर चुपचाप चिड़िया के बच्चे को देख सकते थे। माँ उनको देख लेती तो अंडों को हाथ न लगाने देती। माँ के पूछने पर पिटाई के डर से दोनों में से किसी ने बाहर निकलने का कारण नहीं बताया।

प्रश्न ३. प्रेमचंद जी ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। आप इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उत्तर- हम इसका दूसरा अन्य शीर्षक 'रक्षा में हत्या या बच्चों की नादानी' देना चाहेंगे।

भाषा की बात-

प्रश्न -१. नीचे दिए गए वाक्यों में तीनों प्रकार के पुरुषवाचक सर्वनामों के नीचे रेखा खींचो-

एक दिन दीपू और नीलू यमुना तट पर बैठे शाम की ठंडी हवा का आनंद ले रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि एक लंबा आदमी लड़खड़ाता हुआ उनकी ओर चला आ रहा है। पास आकर उसने बड़े दयनीय स्वर में कहा, "मैं भूख से मरा जा रहा हूँ। क्या आप मुझे कुछ खाने को दे सकते हैं?"

प्रश्न -२ . नीचे दिए क्रिया विशेषणों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए |

उत्तर- **(क (** झुंझलाकर मोहन की बात = सुन नेहा झुंझलाकर चली गई।
(ख (बनाकर माँ खाना बनाकर चली गई। =